साहित्य अकादमी के 'किस्सा-ओ-कलम' कार्यशाला में बच्चों ने अंतिम दिन सुनाईं अपनी कहानियां

■ दिल्ली-NCR के 43 बच्चों ने लिया कार्यशाला में भाग

नई दिल्ली, 1 जून (नवोदय टाइम्स): साहित्य अकादमी द्वारा बच्चों के लिए आयोजित पांच दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला 'किस्सा-ओ-कलम' का 6वें संस्करण के अंतिम दिन बच्चों ने अपनी कहानियां सुनाईं।

हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को भाषा और साहित्य के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाना था। इस वर्ष कार्यशाला की थीम 'हरे और नीले तथा अन्य सभी रंगों के बारे में: हमारे लुप्तप्राय ग्रह के बारे में लेखन' रहा। इस दौरान बच्चों को कल्पना, अभिव्यक्ति, आत्म-आलोचना और स्व-संपादन जैसे लेखन के महत्वपूर्ण तत्वों से परिचित कराया गया। दिल्ली-एनसीआर के 10 से 18 वर्ष की उम्र के 43 बच्चों ने इसमें भाग लिया। राजस्थान से भी एक छात्र इस कार्यशाला के लिए विशेष रूप से दिल्ली आया था।

कार्यशाला में बच्चों के लिए प्रख्यात लेखिका और पर्यावरण इतिहासकार मेघा गुप्ता के साथ विशेष बातचीत भी आयोजित की गई। अंतिम दिन बच्चों ने अपनी स्वयं की लिखी कहानियों का पाठ किया, जिसे अभिभावकों ने भी सुना। सभी प्रतिभागियों को साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यशाला का संचालन चंदना दत्ता और वंदना बिष्ट ने किया। कार्यक्रम अधिकारी मृगनयनी गुप्ता और उप सचिव डॉ. एन. सुरेश बाबू ने आयोजन का समन्वय किया।